



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 221]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 8, 2018/ज्येष्ठ 18, 1940

No. 221]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 8, 2018/JYAISTHA 18, 1940

भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 2018

सं. भा.आ.प.-18(1)/2018- मेड./113871.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना विनियमावली, 2000” में पुनः संशोधन करने के लिए केन्द्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामतः:-

- ये विनियम, “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना (संशोधन) विनियमावली, 2018” कहे जाएंगे।
 - ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना विनियमावली, 2000” में निम्नलिखित अभिवर्धन/संशोधन/ विलोप/प्रतिस्थापन, इसमें दिए गए अनुसार दर्शाए जाएंगे:-
- “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में

प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना विनियमावली, 2000” के किसी मेडिकल कालेज/संस्थान में अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलने के लिए केन्द्र सरकार की अनुमति के लिए ““अर्हक मापदंड” अर्थात् योजना शीर्षक के अंतर्गत भाग- I के खंड 3(1) को निम्नलिखित रूप में प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

“ भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् (संशोधन) अधिनियम, 1993 के प्रारंभण से पहले स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 के अंतर्गत मान्यता प्राप्त मेडिकल कालेज; आयुर्विज्ञान तथा शल्य-विज्ञान स्नातक (एमबीबीएस) पाठ्यक्रम चलाने के लिए मान्यता प्राप्त मेडिकल कालेज और स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य के लिए केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित चिकित्सा संस्थान, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ करने के पात्र होंगे,

परंतु यह कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 के अंतर्गत एमबीबीएस डिग्री प्रदान करने के लिए अभी मान्यता प्रदान न किए गए मेडिकल कालेजों को यह अनुमति होगी कि वे तीसरे नवीकरण के समय अर्थात् एमबीबीएस पाठ्यक्रम के चौथे बैच के दाखिले के साथ प्रि-क्लिनिकल और पारा क्लिनिकल विषयों नामतः शरीर रचना-विज्ञान, शरीरक्रिया-विज्ञान, जीव-रसायन, भेषज-विज्ञान, रोग-विज्ञान, सूक्ष्मजीव- विज्ञान, फोरेंसिक मेडिसिन और कम्युनिटी मेडिसिन में और चौथे नवीकरण के समय अर्थात् एमबीबीएस पाठ्यक्रम के पांचवें बैच के दाखिले के साथ नैदानिक विषयों नामतः संचेतनाहर-विज्ञान, त्वचारोग-विज्ञान, रतिजरोग-विज्ञान और कुष्ठ रोग, जनरल मेडिसिन, बालरोग, मनोश्चिकित्सा, विकिरण-निदान, रेडिएशन ऑनकोलोजी, श्वसनी मेडिसिन, कान नाक गला, रोग-विज्ञान, जनरल सर्जरी, नेत्ररोग-विज्ञान, अस्थिरोग, प्रसूति एवं स्त्रीरोग-विज्ञान में कोई स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए आवेदन कर सकें।”

4. “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना विनियमावली, 2000” के मौजूदा मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों में अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करने के लिए केन्द्र सरकार की अनुमति हेतु “अर्हक मापदंड” अर्थात् योजना शीर्षक के अंतर्गत भाग-II के खंड 3(1) में संशोधन को निम्नलिखित रूप में प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

“कोई मेडिकल कालेज/चिकित्सा संस्थान, स्वीकृत प्रवेश क्षमता के प्रति संबंधित शैक्षिक योग्यता को अधिनियम की धारा 11(2) के अंतर्गत मान्यता प्रदान कर दिए जाने और अधिनियम की प्रथम अनुसूची में शामिल कर लिए जाने पर, एमबीबीएस/स्नातकोत्तर डिप्लोमा/स्नातकोत्तर डिग्री/उच्चतर अति विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश क्षमता में वृद्धि करने हेतु आवेदन पत्र देने का हकदार होगा।”

डॉ. रीना नय्यर, सचिव (प्रभारी)

[विज्ञापन-III/4/असा./98/18-19]

पाद-टिप्पणी: प्रधान विनियमावली नामतः “अध्ययन या प्रशिक्षण का कोई नया या उच्चतर पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) खोलना और अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी पाठ्यक्रम (अध्ययन या प्रशिक्षण के किसी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश क्षमता में वृद्धि करना विनियमावली, 2000” भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् की दिनांक 14 अगस्त, 2000 की अधिसूचना संख्या 34(41)2000- मेड के अंतर्गत 7 अक्टूबर 2000 को भारत के राजपत्र के भाग- III, खंड- 4 में प्रकाशित की गई थी और इसे भारतीय

आयुर्विज्ञान परिषद् की दिनांक 22/03/2005, 23/09/2009, 09/12/2009, 29/12/2009, 11/01/2010, 16/04/2010, 03/11/2010, 29/12/2015, 29/04/2016 और 06/07/2017 की अधिसूचना के अंतर्गत संशोधित किया गया था।

MEDICAL COUNCIL OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 2018

No. MCI-18(1)/2018-Med./113871.—In exercise of powers conferred by Section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Medical Council of India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations to further amend the **“The Opening of a New or Higher Course of Study or Training (including Post-graduate Course of Study or Training) and Increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate Course of Study or Training) Regulations, 2000.”** namely:-

1. (i) These regulations may be called the **“The Opening of a New or Higher Course of Study or Training (including Post-Graduate Course of Study or Training) and Increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate Course of Study or Training) Regulations, 2018.”**.
- (ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the **“The Opening of a New or Higher Course of Study or Training (including Post-graduate Course of Study or Training) and Increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate Course of Study or Training) Regulations, 2000.”**, the following additions / modifications / deletions / substitutions, shall be as indicated therein:-
3. The Clause 3(1) in Part I under the heading **“Qualifying Criteria”** i.e. **“Scheme for permission of the Central Government for Opening a new or higher course of study or training (including Post-graduate Course of Study or Training) in a Medical College or Institution of “The Opening of a New or Higher Courses of Study or Training (including Post-graduate Course of Study or Training) and Increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate Course of Study or Training) Regulation, 2000”**, shall be substituted as under:-

The Medical Institution recognized under the Indian Medical Council Act, 1956 for running post-graduate courses prior to the commencement of the Indian Medical Council (Amendment) Act, 1993; the Medical Colleges recognized for running Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery (MBBS) course; and the Medical Institutions established by the Central Government for the purpose of imparting postgraduate medical education shall be eligible for starting a post-graduate medical education course.

Provided that it shall be permissible for Medical Colleges not yet recognized for the award of MBBS degree under the Indian Medical Council Act, 1956 to apply for starting of a Post-graduate medical education course in pre clinical and para clinical subjects, namely, Anatomy; Physiology; Biochemistry; Pharmacology;

Pathology; Microbiology; Forensic Medicine; and Community Medicine at the time of third renewal i.e., alongwith the admission of fourth batch for the MBBS course; and in clinical subjects, namely, Anaesthesiology; Dermatology, Venereology and Leprosy; General Medicine; Paediatrics; Psychiatry; Radio-diagnosis; Radiation Oncology; Respiratory Medicine; Otorhinolaryngology; General Surgery; Ophthalmology; Orthopaedics; Obstetrics & Gynaecology, at the time of fourth renewal, i.e., along with the admission of fifth batch for the MBBS course.

4. **Amendment in clause 3 (1) of Part II** under the heading “Qualifying Criteria” i.e. - **Scheme for permission of the Central Government to increase the admission capacity in any course of study or training (including postgraduate course of study or training) in the existing medical colleges/institutions of “The Opening of a New or Higher Courses of Study or Training (including Post-graduate Course of Study or Training) and Increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate Course of Study or Training) Regulation, 2000”** shall be substituted as under:-

“A Medical College/Medical Institution shall be entitled to make an application to increase the admission capacity for MBBS/PG Diploma/PG Degree/Higher Speciality Courses, once the concerned qualification against the sanctioned intake has been granted recognition under section 11 (2) of the Act and included in the First Schedule of the Act.”

Dr. REENA NAYYAR, Secy. I/c

[ADVT.-III/4/Exty./98/18-19]

Footnote: The Principal Regulations namely, “The Opening of a New or Higher Course of Study or Training (including Postgraduate Course of Study or Training) and increase of Admission Capacity in any Course of Study or Training (including a Postgraduate course of Study or Training) Regulations, 2000” were published in Part III, Section 4 of the Gazette of India on 7th October, 2000 vide Medical Council of India Notification No. 34(41)/2000-Med, dated the 14th August, 2000 and amended vide Medical Council of India Notification dated 22/03/2005; 23/09/2009; 09/12/2009; 29/12/2009; 11/01/2010; 16/04/2010, 03/11/2010, 29/12/2015; 29/04/2016 and 06.07.2017